विभाग के विशेष उपलब्धि

१° 'राष्ट्रीय साल्मोनेला फाज प्रकारीकरण केंद्र' पूरी तरह कार्यात्मक है और इस हेतु देश भर से विभिन्न साल्मोनेला प्राप्त करने की प्रक्रिया लगातार चल रही है। वर्तमान में आई° सी° एम° आर° द्वारा मंजूर 'साल्मोनेला इंटेरीका सेट टाईफी का भारत में जीनोटाइपिक विविधता का पल्स फील्ड जेल एलक्ट्रोफोरेसिस से अध्यन' चल रहा है।
यह भारत भर में साल्मोनेला की जीनोटाइपिक विविधता पर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराता है।

२° स्ट्रेप्टोकाकल बीमारियों के लिए विश्व सवास्थ्य संगठन रेफरल प्रयोगशाला १९९८ तक विभाग में कार्यात्मक था।

३° ले° हा° मे° का° में एच° आई° वी° परीक्षण के लिए राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं में पहली एन° ए° बी° एल° ISO15189:2012 नार्म्स प्रयोगशाला है।

४° आई° सी° एम° आर° द्वारा वित्त पोषित 'कैंडीडीयसिस की कैंडीड़ा रोधी प्रतिरोध प्रोफाइल की पहचान' परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

५। १९९८ में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिशा निर्देशों का विकास किया गया जिन्हें राष्ट्रीय अपशिष्ट प्रबंधन के दिशा निर्देशों के रूप में अपनाया गया।

6° (ड्राफ्ट चरणों में) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए एंटीबायोटिक नीति दस्तावेज़ का विकास।

7° विभाग 'बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट'कक्षाओं का आयोजन डाक्टरों के साथ ही, अस्पताल के अन्य स्टाफ के सदस्यों को, उन्हें बायोमेडिकल अपशिष्ट अलगाव में प्रशिक्षित करने के लिए और सही निपटान के तकनीकों की जानकारी के लिए, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं एवं व्यावसायिक खतरों की रोकथाम नियमित रूप से कर रहा है।

८. एन° ए° बी° एल° मान्यता, २०१२ में, एच° आई° वी° परीक्षण सेवाओं के लिए, प्राप्त किया।

9.विभाग 'राष्ट्रीय रोगानुरोधी प्रतिरोध नेटवर्क' के अंतर्गत भाग लेने वाला प्रोयगशाला है, जिसमें कि रोगानुरोधी प्रतिरोध की रोकथाम में राष्ट्रीय कार्यकर्म' को पंचवर्षीय योजना (२०१३-१७) के तहत लागू किया जा सके।